

डीआरडीओ ने भारतीय नौसेना को मध्यम रेंज-माइक्रोवेव ऑब्स्क्यूरेंट चैफ रॉकेट सौंपा





मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव

सह मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण

संपादक: दीप्ति अरोरा

सहायक संपादक: धर्म वीर

अनुवादक: अनुराग कश्यप

प्रकाशन का 36वां वर्ष

अगस्त 2024 खण्ड 36 अंक 08

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
बेंगलूरु	:	श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई) श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैम्स) श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर) डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक) डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल) डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई) श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) सुश्री मीता जन, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री हेमंत कुमार, विस्फोटक तथा पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सीफीस) डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) श्रीमति अरुण कमल, डीपीए आर ओ एंड एम, डीआरडीओ मुख्यालय श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) डॉ सुजाता दास, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा) श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी) डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएएल) श्री श्रीनिवास जुलुरु, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) श्री सीएच नरसिम्हाचारी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल) डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचोंक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	गुप कैंप्टन आर के मंशारमानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई) डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी) डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)



इस अंक में

मुख्य लेख

4



नवोन्मेष

5

निजी साझेदारी

7

अवसंरचना विकास

11

घटनाक्रम

11

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप

17

राजभाषा क्रियाकलाप

22

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम

23

वर्तमान अंक, *DRDO Newsletter*, Vol 44, Issue 8, August 2024, का हिंदी अनुवाद है।

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in
दूरभाष: 011-23902403, 23902472, फ़ैक्स: 011-23819151

डीआरडीओ ने भारतीय नौसेना को मध्यम रेंज-माइक्रोवेव ऑब्स्क्यूरेंट चैफ रॉकेट सौंपा

नई दिल्ली में 26 जून 2024 को एक समारोह में, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने भारतीय नौसेना को मध्यम रेंज-माइक्रोवेव ऑब्स्क्यूरेंट चैफ रॉकेट (MR-MOCR) सौंपा। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने MR-MOCR को भारतीय नौसेना के नौसेना आयुध निरीक्षण महानिदेशक और रियर एडमिरल बृजेश वशिष्ठ को सौंपा।

डीआरडीओ की रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर, ने माइक्रोवेव ऑब्स्क्यूरेंट चैफ (MOC) नामक एक विशिष्ट तकनीक विकसित की है, जो रडार सिग्नल को निष्प्रदीप करती है और प्लेटफॉर्म एवं संपत्तियों के चारों ओर माइक्रोवेव शील्ड बनाती है, जिससे रडार के संवेदन में कमी आती है।

मध्यम रेंज चैफ रॉकेट में, कुछ

माइक्रोन व्यास और अद्वितीय माइक्रोवेव ऑब्स्क्यूरेशन गुणों वाला एक विशेष प्रकार का फाइबर भी मौजूद है। जब रॉकेट फायर किया जाता है, तो वह अंतरिक्ष में एक माइक्रोवेव-ऑब्स्क्यूरेंट क्लाउड बनाता है, जो पर्याप्त क्षेत्र में फैलता है और पर्याप्त समय तक बना रहता है, इस प्रकार यह रेडियो आवृत्ति सीकरों वाले शत्रु खतरों के खिलाफ एक प्रभावी ढाल बनाता है।

भारतीय नौसेना के जहाजों ने MR-MOCR के चरण-I परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसमें अंतरिक्ष में MOC बादल के प्रस्फुटन और बने रहने का प्रदर्शन किया गया।

चरण-II परीक्षणों में, हवाई लक्ष्य के रडार क्रॉस सेक्शन (RCS) में 90 प्रतिशत की कमी का प्रदर्शन किया गया और भारतीय नौसेना द्वारा इस प्रणाली को मंजूरी दे दी गई है। भारतीय

नौसेना को योग्यता आवश्यकताओं को पूरा करने वाले MOC रॉकेट की प्राप्ति हुई।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने MR-MOCR के सफल विकास पर डीआरडीओ और भारतीय नौसेना की सराहना की है। उन्होंने MOC तकनीक को रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने की दिशा में एक और कदम बताया।

अध्यक्ष, डीआरडीओ ने भी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर, की टीम को बधाई दी।

भारतीय नौसेना के नौसेना आयुध निरीक्षण महानिदेशक ने भी इतने कम समय में इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तकनीक को स्वदेशी रूप से विकसित करने के लिए डीआरडीओ के प्रयासों की सराहना की।



उच्च गति विस्तारणीय हवाई लक्ष्य 'अभ्यास' ने उन्नत बूस्टर विन्यास के साथ विकासात्मक परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), ने 27 जून 2024 को एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर, ओडिशा, से बेहतर बूस्टर कॉन्फिगरेशन के साथ हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (HEAT) 'अभ्यास' के लगातार छह विकासात्मक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए। इसके साथ ही, अभ्यास ने दस विकासात्मक परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे प्रणाली की विश्वसनीयता का प्रदर्शन हुआ।

परीक्षण बेहतर रडार क्रॉस सेक्शन, दृश्य और इंफ्रारेड ऑगमेंटेशन सिस्टम के साथ किए गए। परीक्षणों ने सुरक्षित बूस्टर रिलीज, लॉन्चर क्लीयरेंस और सहनशक्ति प्रदर्शन सहित विभिन्न मिशन उद्देश्यों को सफलतापूर्वक मान्य किया। 30 मिनट के अंतराल के भीतर दो लॉन्च किए गए, जिससे न्यूनतम

लॉजिस्टिक्स के साथ संचालन में आसानी का प्रदर्शन हुआ। सेना के प्रतिनिधि उड़ान परीक्षणों के साक्षी बने।

वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), बेंगलुरु, ने अभ्यास को डिजाइन किया, जिसमें उत्पादन एजेंसियों हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) ने विकास प्रक्रिया का नेतृत्व किया। यह हथियार प्रणाली अभ्यास के लिए एक वास्तविक खतरा परिदृश्य प्रदान करती है।

यह स्वदेशी प्रणाली विमान एकीकरण, उड़ान पूर्व जांच, ऑटोपायलट और लैपटॉप-आधारित ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम की मदद से स्वायत्त उड़ान के लिए डिजाइन की गई है। इसमें उड़ान के दौरान डेटा रिकॉर्ड करने की सुविधा भी है ताकि उड़ान के बाद विश्लेषण किया जा सके। बूस्टर को उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल),

हैदराबाद, तथा नौवहन प्रणाली को अनुसंधान केन्द्र इमारात (आरसीआई), हैदराबाद, द्वारा डिजाइन किया गया है। चिन्हित की गई उत्पादन एजेंसियों के साथ, अभ्यास अब उत्पादन के लिए तैयार है।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 'अभ्यास' के विकासात्मक परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों, और उद्योग की सराहना की। उन्होंने कहा कि सफल परीक्षण डीआरडीओ और उद्योग के बीच तालमेल का उल्लेखनीय प्रमाण हैं।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डी डी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने सफल उड़ान परीक्षण से जुड़ी टीमों को बधाई दी और कहा कि यह प्रणाली लागत प्रभावी है और इसके निर्यात की अपार संभावनाएँ हैं।



MPATGM हथियार प्रणाली का सफल सत्यापन परीक्षण

मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (MPATGM), रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद, की गौरवपूर्ण हथियार प्रणाली विकास परियोजनाओं में से एक है।

डीआरडीएल ने 2 जुलाई 2024 को पोखरण में सटीक निशाने के साथ लगातार दो सफल सत्यापन उड़ान परीक्षण किए, जो भारतीय सेना के आवश्यक मापदंडों (अधिकतम सीमा 2.5 किमी और न्यूनतम सीमा 200 मीटर) का अनुपालन करते हैं।

उड़ान परीक्षण भारतीय सेना के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन के रूप में उपयोगकर्ता-वितरणीय युद्धशीर्ष के साथ किए गए।

अधिकतम दूरी की हिट को 'टॉप-अटैक' उड़ान पथ के साथ और न्यूनतम दूरी की हिट को 'डायरेक्ट अटैक' उड़ान पथ के साथ हासिल किया गया। दोनों उड़ान परीक्षणों के लिए, युद्धशीर्ष टकराने पर विस्फोट हो गए, और गतिशीलता सुचारू और अनुमानित थी।

मिसाइल की मारक क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए थर्मल टारगेट सिस्टम (TTS) का इस्तेमाल किया गया, जो युद्धक टैंक के वास्तविक थर्मल सिग्नेचर का अनुकरण करता है।

मिसाइल और 'लॉन्चर सिस्टम' दोनों ही अत्याधुनिक हैं और दुनिया के अधिकांश उन्नत तीसरी पीढ़ी के ATGM के बराबर हैं।

विकास भागीदार के रूप में, मैसर्स बीडीएल, कंचनबाघ, हैदराबाद, उपयोगकर्ता परीक्षणों के लिए आवश्यक MPATGM हथियार प्रणाली का निर्माण करेगा।



डीआरडीओ ने प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना के तहत निजी क्षेत्र को सात नई परियोजनाएँ मंजूर की

लक्ष्य: रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में उद्योगों विशेष रूप से एमएसएमई और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देना

आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए, डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों, अंतरिक्ष, और रक्षा क्षेत्रों की विभिन्न आवश्यकताओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) योजना के तहत उद्योगों को सात नई परियोजनाएँ प्रदान की हैं।

ये परियोजना मंजूरीयाँ डीआरडीओ के निरंतर प्रयासों की गवाह हैं, जिसमें विशेष रूप से रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में एमएसएमई और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देना शामिल है। इन प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास से सैन्य औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी।

स्वीकृत परियोजनाओं में निम्नलिखित विवरण शामिल हैं:

स्वदेशी परिदृश्य और सेंसर

सिम्युलेशन टूलकिट

परियोजना का उद्देश्य पायलटों को वास्तविक परिदृश्यों में सिम्युलेटर प्रशिक्षण के लिए एक स्वदेशी टूलकिट विकसित करके देना है। इससे पूर्ण मिशन योजना और बड़े पैमाने पर फोर्स इंगेजमेंट में मदद मिलेगी। नोएडा की एक स्टार्ट-अप ऑक्सीजन 2 इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड को परियोजना यह मिली है।

अंतरजलीय प्रक्षेपित मानवरहित

हवाई वाहन

यह परियोजना विभिन्न युद्ध भूमिकाओं के लिए उपयुक्त अनुकूलनीय समुद्री युद्धक्षेत्र सहायक उपकरणों पर केंद्रित है।

इसके उद्देश्य इंटेलिजेंस, निगरानी, और टोह (ISR) तथा मेरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (MDA) हैं।

यह परियोजना सागर डिफेंस इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, को दी गई है।

डिटेक्शन एवं न्यूट्रैलीउसेशन के लिए लम्बी दूरी रिमोट चालित वाहन

ये वाहन दोहरे उपयोग वाली प्रणाली हैं जो अंतरजलीय वस्तुओं का पता लगाने, वर्गीकरण करने और निष्क्रियकरण करने में सक्षम होंगे, एवं प्रमुख संपत्तियों को संदिग्ध परिचालन क्षेत्र से दूर रखेंगे।

परियोजना को एक स्टार्ट-अप,

IROV टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, कोच्चि, को प्रदान किया गया है।

एयरक्राफ्ट के लिए आइस डिटेक्शन सेंसर का विकास

इस परियोजना का उद्देश्य उड़ान के दौरान बर्फ जमने की स्थिति का पता लगाने के लिए एक प्रणाली विकसित करना है। विमान की बाहरी सतहों से टकराने के बाद जम जाने वाली सुपरकूल्ड पानी की बूंदों के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है और विमान द्वारा एंटी-आइसिंग तंत्र को चालू करने के लिए इसका उपयोग किया जाएगा।

परियोजना को क्राफ्टलॉजिक लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु, को प्रदान किया गया है।



महानिदेशक (टीएम), निदेशक आईटीआर, तथा निदेशक टीडीएफ की उपस्थिति में आईटीआर, बालासोर में नई TDF परियोजना के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए

सक्रिय एंटीना ऐरे सिम्युलेटर के साथ रडार सिग्नल प्रोसेसर का विकास

परियोजना एकाधिक लघु-दायरे की हवाई हथियार प्रणालियों का परीक्षण और मूल्यांकन करने के लिए कई लक्ष्य प्रणालियों की तैनाती को सक्षम करेगी। यह बड़ी रडार प्रणाली के लिए मूल निर्माण ब्लॉक के रूप में कार्य करती है। परियोजना को डेटा पैटर्न (इंडिया) लिमिटेड, चेन्नई, को प्रदान किया गया है।

भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली-आधारित टाइमिंग एक्वीजीशन और डिसेमिनेशन प्रणाली का विकास

एकॉर्ड सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलुरु, को परियोजना के लिए मंजूरी मिल गई है। इसका उद्देश्य टाइमिंग एक्वीजीशन और डिसेमिनेशन प्रणालियों के स्वदेशीकरण, समय पता करने के लिए भारतीय नक्षत्र का उपयोग करना और रेंज आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित और लचीले समय प्रणालियों का विकास करना है।

मल्टीफंक्शन पहनने योग्य अनुप्रयोगों के लिए ग्राफीन आधारित स्मार्ट और ई-टेक्सटाइल का विकास

स्टार्ट-अप, एलोहाटेक प्राइवेट लिमिटेड, कोयंबटूर, को परियोजना मंजूर की गई है। यह ग्राफीन नैनोमटेरियल और कंडक्टिव स्याही का उपयोग करके कंडक्टिव यार्न और कपड़े बनाने की प्रक्रियाओं का विकास करेगा।

इसका परिणाम उन्नत नैनो-मिश्रित सामग्री-आधारित ई-टेक्सटाइल्स होगा, जो व्यावहारिक वस्त्र अनुप्रयोगों के लिए अंतर्निहित लाभों का उपयोग करेगा।



निदेशक, डीआरडीएल और निदेशक, TDF की उपस्थिति में डीआरडीएल, हैदराबाद, में नए TDF प्रोजेक्ट के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए

रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देने में TDF योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है

स्टार्ट-अप और MSMEs को अत्याधुनिक तकनीक में क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है

प्रौद्योगिकी विकास निधि (TDF) योजना सार्वजनिक और निजी उद्योगों, विशेष रूप से स्टार्ट-अप और MSMEs की भागीदारी को प्रोत्साहित कर रही है, ताकि अत्याधुनिक तकनीक की क्षमताओं को बढ़ाने और रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सके। TDF योजना रक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसे 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा क्रियान्वित किया जाता है। आज तक, विभिन्न उद्योगों को 300 करोड़ रुपये से अधिक की प्रतिबद्धता के साथ कुल 77 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, और योजना के तहत 27 रक्षा प्रौद्योगिकियाँ सफलतापूर्वक साकार हुई हैं।

TDF योजना से कुछ स्टार्ट-अप सफलता की कहानियां निम्नलिखित हैं:

कॉम्बैट रोबोटिक्स, पुणे

पुणे स्थित स्टार्ट-अप कॉम्बैट रोबोटिक्स ने मानव रहित वाहनों के लिए एक अभिनव सिमुलेटर सफलतापूर्वक विकसित किया है। यह एक बहु-डोमेन सिमुलेटर है जो मानवरहित ग्राउंड वाहन (UGVs), मानवरहित अंतर्जलीय वाहन (UUVs), मानवरहित सरफेस वाहन (USVs) तथा मानवरहित एरियल वाहन (UAVs) का समर्थन करता है, जो स्वायत्त प्रणालियों को विकसित करने पर काम करने वाली एजेंसियों के लिए एक उत्कृष्ट विकास उपकरण के रूप में कार्य करता है।

सिमुलेटर एक व्यापक पर्यावरण मॉडलिंग, परिदृश्य एवं वाहन मॉडलिंग, और डेवलपर प्रलेखन के साथ सहज नियंत्रण प्रणाली प्रदान करता है। इसे कई डोमेन में मानव रहित वाहनों के स्वायत्त व्यवहार के परीक्षण और सत्यापन की मांगों को पूरा करने के

लिए डिजाइन किया गया है। इसे कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बंगलुरु, द्वारा विकसित किया गया है।

चिस्टैट्स लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, पुणे

एयरोगैस टर्बाइन इंजन के स्वास्थ्य निगरानी के लिए वर्चुअल सेंसर

इस परियोजना का उद्देश्य एयरो गैस टर्बाइन इंजन (AGTE) के विभिन्न भागों के लिए एक व्यापक डायग्नोस्टिक प्रणाली विकसित करना है, जिसके परिणामस्वरूप परिचालन विश्वसनीयता और इंजन की आयु में वृद्धि होगी। प्रणाली आधुनिक AI/ML तकनीकों की मजबूत नींव पर बनी है। यह बड़े पैमाने के डेटा को कुशलतापूर्वक संभालता है और उच्च स्तर की सटीकता के साथ तेजी से परिचालन आकलन करता है। आभासी सेंसर ढांचा स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है।



TDF के तहत बंद/आंतरिक वातावरण में सर्च और रिपोर्ट मिशन के लिए स्वायत्त ड्रोन का सफलतापूर्वक विकास किया गया (उपयोगकर्ता- केयर)

गैस टरवाईन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई), बेंगलुरु, ने प्रौद्योगिकी के सफल विकास के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान किया। चिस्टैट्स लैब्स प्राइवेट लिमिटेड डेटा साइंस और AI समाधान के क्षेत्र में एक स्टार्ट-अप है, और डीआरडीओ के डेयर टु ट्रीम 2.0 इनोवेशन कंटेस्ट का विजेता है।

डेटा मूल्यांकन, सक्रिय शिक्षण और दृश्य डेटा पर विश्वसनीयता के लिए टूल्स

इस अभूतपूर्व परियोजना का उद्देश्य रक्षा अनुप्रयोगों के लिए AI मॉडल सत्यापन और अनुकूलन को बढ़ाना है। यह साझा और पुनरुत्पादनीय प्रयोगों के माध्यम से वैज्ञानिकों के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाएगा। सभी टूल्स उपयोगकर्ता के अनुकूल वेब इंटरफेस के माध्यम से सुलभ हैं। परियोजना रक्षा परिदृश्यों में उत्पन्न बड़ी मात्रा के डेटा द्वारा प्रस्तुत अद्वितीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक व्यापक रूपरेखा विकसित करने पर केंद्रित है। इसमें चार प्रमुख मॉड्यूल शामिल हैं: डेटा और फीचर असेसमेंट, एक्टिव लर्निंग, AI विश्वसनीयता, और वेब एप्लीकेशन। यह रक्षा संगठनों को अधिक सटीक, विश्वसनीय और कुशल AI मॉडल बनाने में सक्षम बनाएगा, जिससे बेहतर निर्णय लेने और विभिन्न महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों में बढ़ी हुई क्षमताओं का नेतृत्व होगा। केयर ने परियोजना के मार्गदर्शन और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु

'संलग्न/इनडोर वातावरण में खोज और रिपोर्ट के लिए प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में स्वायत्त ड्रोन', बेंगलुरु स्थित एक स्टार्ट-अप ने एक अत्याधुनिक यूएवी

विकसित किया है जो कम रोशनी सहित विभिन्न स्थितियों में आंतरिक वातावरण का पता लगा सकता है। इस परियोजना का उद्देश्य एक स्वायत्त नेविगेशन स्टैक, एक ऑनबोर्ड ऑब्जेक्ट डिटेक्शन मॉड्यूल एवं फ्लाइंट कंट्रोल फर्मवेयर के साथ एकीकृत स्थानीयकरण फॉलबैक तंत्र के साथ एक इनडोर यूएवी विकसित करना है। स्वायत्त नेविगेशन स्टैक के साथ एकीकरण में 3D मैपिंग, एक्सप्लोरेशन एल्गोरिदम और AI/ML इंजन शामिल हैं।

इस परियोजना की सफलता ने खोज और बचाव कार्यों, निगरानी, औद्योगिक निरीक्षण, पर्यावरण निगरानी और संकटजनक पर्यावरण अन्वेषण सहित विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए रास्ते खोले हैं, जो मानव रहित हवाई प्रणालियों की तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। केयर, बेंगलुरु, ने प्रौद्योगिकी के विकास के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और मेंटरशिप प्रदान की है।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, ने इन परियोजनाओं से जुड़े स्टार्ट-अप्स और डीआरडीओ प्रयोगशालाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियाँ माननीय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए डीआरडीओ के सफल प्रयास को दर्शाती हैं। TDF योजना के प्राथमिक लक्ष्य इस प्रकार हैं:

- ✳ एमएसएमई और स्टार्ट-अप सहित भारतीय उद्योगों को अनुदान सहायता प्रदान करना, साथ ही रक्षा और दोहरे उपयोग वाली उन प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए शैक्षणिक और वैज्ञानिक संस्थानों को अनुदान देना, जो वर्तमान में भारतीय रक्षा उद्योग में उपलब्ध नहीं हैं।
- ✳ निजी उद्योगों, विशेष रूप से एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स के साथ जुड़कर सैन्य प्रौद्योगिकियों के डिजाइन और विकास की संस्कृति लाने और उन्हें अनुदान-सहायता के साथ समर्थन प्रदान करना।
- ✳ उन विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान, डिजाइन और विकास पर ध्यान केंद्रित करना जो देश में पहली बार विकसित की जा रही हैं।
- ✳ सशस्त्र बलों, अनुसंधान संगठनों, शिक्षाविदों और योग्यता एवं प्रमाणन एजेंसियों के बीच निजी क्षेत्र की संस्थाओं के साथ एक सेतु बनाना



TDF के तहत 'दिव्य दृष्टि' को सफलतापूर्वक विकसित किया गया (उपयोगकर्ता- केयर)

परिरक्षित एक्स-रे विकिरण सुविधा का उद्घाटन

परिरक्षित एक्स-रे विकिरण सुविधा (X-Rad 225XL) का उद्घाटन 30 मई 2024 को डॉ सुधीर चंदना, निदेशक, परमाणु चिकित्सा और संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली, द्वारा किया गया। डॉ चंदना ने कहा कि एक्स-रे इरैडिएटर इनमास में विकिरण काउंटरमैजर और बायोमार्कर अनुसंधान की सुविधा प्रदान करेगा और संस्थान में चल रहे विकिरण जीव विज्ञान अनुसंधान का समर्थन और संवर्धन करेगा। दुनिया की सबसे उन्नत विकिरण जीव विज्ञान प्रयोगशालाएँ रेडियोधर्मी सामग्री स्रोत-आधारित इरैडिएटर का उपयोग करके एक्स-रे स्रोत-आधारित इरैडिएटर का उपयोग करने की ओर बढ़ रही हैं। इसी भावना से प्रेरित हो, इनमास ने भी यह सुविधा स्थापित की है। इस सुविधा का उपयोग सेल कल्चर और चूहों जैसे छोटे जानवरों के विकिरणीयन के लिए किया जाएगा।



उपकरण निम्न से उच्च-खुराक दरों के स्पेक्ट्रम पर नमूनों का विकिरण करने में सक्षम है। इस अवसर पर संबोधन देते हुए, निदेशक, इनमास ने कहा कि यह सुविधा इनमास में विकिरण जीवविज्ञान

अनुसंधान तक पहुँच प्रदान करेगी। डॉ अनंत नारायण भट्ट, वैज्ञानिक 'एफ', और उनकी टीम ने डॉ चांदना और संस्थान के वैज्ञानिकों को उपकरण का परिचालन प्रदर्शन किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उद्घाटन कार्यक्रम के तहत 14 जून 2024 को प्रातः (0600-0730 बजे) डीआरडीओ परिसर, तिमारपुर, दिल्ली, में रक्षा शरीर क्रिया विज्ञान एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली, द्वारा डीआरडीओ की दिल्ली स्थित सभी प्रयोगशालाओं और डीआरडीओ मुख्यालय के लिए सामूहिक योग अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडीआर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी के साथ



डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, दिल्ली में डिपास द्वारा आयोजित सामूहिक योग अभ्यास सत्र में भाग लेते हुए

दिल्ली स्थित निदेशकों के साथ किया। डॉ यू के सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं

महानिदेशक (जीवन विज्ञान), ने अपने उद्घाटन संबोधन में योग के महत्व

और लाभों के बारे में बताया। उन्होंने योग के मूल दर्शन, इसकी प्रासंगिकता और स्वास्थ्य के लिए इसके लाभों तथा दैनिक जीवन में सरल योग तकनीकों को शामिल करने के तरीकों पर भी बात की। डॉ. कामत ने दैनिक जीवन में योग अभ्यास की भूमिका पर जोर दिया और बताया कि कैसे एम्स और डिपास के शोधकर्ताओं ने देश में योग अनुसंधान की शुरुआत की, इसके बाद मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान से डॉ. इंदु शर्मा और उनकी टीम ने योग प्रदर्शन (कॉमन योग प्रोटोकॉल) किया, जिसके बाद निदेशक, डिपास ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

एसीईएम, नासिक

ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम), नासिक, में 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन प्रोफेसर प्रतीक किशोर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई); श्री टीवी जगदीश्वर राव, जीएम; तथा एसीईएम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में बड़े उत्साह एवं जोश के साथ किया गया। विभिन्न आसन किए गए, तथा योग प्रशिक्षक श्रीमती इशरत मर्चेट द्वारा योग के लाभ के बारे में बताया गया। महानिदेशक (एसीई) ने शरीर, मन एवं आत्मा के लिए योग के लाभों को दोहराया तथा कर्मचारियों से योग को अपने जीवन में एक आवश्यक आदत के रूप में अपनाने को कहा।

एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद, ने 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। श्री बीवी पापा राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एएसएल, ने उपस्थित समारोह को संबोधित किया तथा हमारे जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री रामचंद्र चारी ने एएसएल में योग सत्र का आयोजन



एसीईएम, नासिक, में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह



एएसएल, हैदराबाद, में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

किया, जिसमें व्यक्तिगत और मानसिक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए योग के अभ्यासों के महत्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने योग अभ्यास में भाग लिया।

डीआईपीआर, दिल्ली

21 जून 2024 को रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। आमंत्रित अतिथि, आयुष मंत्रालय की प्रमाणित योग गुरु और योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षक सुश्री चांदनी कुमारी ने योग सत्र संचालित किए। सेमिनार हॉल में सभी कर्मचारियों ने आसन, प्राणायाम और

ध्यान के योगिक अभ्यासों में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रशिक्षक ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत के दौरान योग के विविध लाभों पर अपनी दृष्टि साझा की और डीआईपीआर परिवार से योग को दैनिक जीवन में एकीकृत करके इसकी पहुंच को अधिकतम करने का आग्रह किया।



डीआरएल, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर, ने 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यवाहक निदेशक डॉ रमा दुबे ने उद्घाटन संबोधन दिया और विवेकानंद केंद्र, तेजपुर, के योग प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से इसका अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। योग प्रशिक्षकों ने विभिन्न आसनों और प्राणायाम के महत्व पर चर्चा की और उनका प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में डीआरएल, एओ आरएंडडी, आईएफए कार्यालय, डीजीआरई आरडीसी, और ईएमयू, तेजपुर, के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

डीएल, जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे), ने सकारात्मक और स्वस्थ कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए 'योगा फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी' विषयवस्तु के साथ 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। श्री आर वी हाराप्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में योग के



डीआरएल, तेजपुर, में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान, डीएलजे के पूर्व निदेशक डॉ राम गोपाल ने 'योग, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से समग्र व्यक्तित्व विकास' विषय पर व्याख्यान दिया, जिसके बाद डॉ महेश चंद्र व्यास, वैज्ञानिक 'ई' ने सिंपल स्ट्रेच और श्वास योगासन के साथ योग सत्र का आयोजन किया।

के प्रतिभागियों के लिए आयोजित किया गया। दूसरा सत्र योग के लाभों को समझाने के लिए आईटीएम कर्मचारियों को समर्पित था। श्री एसपी डोभाल, निदेशक, आईटीएम, ने योग दिवस के महत्व को समझाते हुए सभा को संबोधित किया।

एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

आईटीएम, मसूरी

21 जून 2024 को प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी, में दो सत्रों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। पहला सत्र, पाठ्यक्रम निदेशक की देखरेख में 19 सीडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में STEMS 22.4 पाठ्यक्रम

21 जून 2024 को सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग सत्र का नेतृत्व आनंद संघ, क्रिया योग ध्यान केंद्र, बेंगलुरु, से प्रमाणित योग प्रशिक्षक सुश्री विजयलता एन, सुश्री



आईटीएम, मसूरी, में अधिकारी और कर्मचारी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेते हुए

नेहा शितुत, और सुश्री पूर्वी ने किया। सुश्री विजयलता ने योग के लाभों और कई फायदों के बारे में बताया, जिसमें बेहतर शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक सरलता और तनाव से राहत शामिल है। इसके बाद, सुश्री विजयलता द्वारा एक योग सत्र और योग प्रशिक्षकों द्वारा एक ध्यान सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ एसके दत्ता, केंद्र प्रमुख, एमटीआरडीसी, ने भी सभा को संबोधित किया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, में 21 जून 2024 को 'योगा फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी' विषयवस्तु के साथ कर्मचारियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। डॉ बी बसु, वैज्ञानिक 'जी' एवं कार्यवाहक निदेशक, एनएमआरएल, ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और कर्मचारियों को योग एवं ध्यान का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुंबई के आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के योग प्रशिक्षक श्री नीलेश को योगासन, प्राणायाम, मुद्रा, और ध्यान के लाभ के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम के दौरान योग सत्र आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया। सत्र को प्रारम्भ से लेकर उन्नत अभ्यासियों तक सभी स्तरों के अनुभवियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया। इस उत्सव का, खासकर उच्च-तनाव वाले कार्य वातावरण में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, ने 21



एमटीआरडीसी, बेंगलुरु, में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हुए



एनएमआरएल, अंबरनाथ, में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हुए



एनपीओएल, कोच्चि, में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हुए

जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया, जिसमें स्वस्थ और खुशहाल जीवन के लिए योग के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने वाले सूचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री रमेश के, उप महाप्रबंधक (विजिलेंस) (सेवानिवृत्त), बीपीसीएल, तथा आर्ट ऑफ लिविंग के चिकित्सकों द्वारा आमंत्रित वार्ता

आयोजित की गई। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि योग एक ऐसा अभ्यास है जो मन और शरीर के सामंजस्य का प्रतिनिधित्व करता है, और श्वास के माध्यम से शरीर और मन को एकीकृत करता है, जिससे हमारे व्यस्त जीवन में शांति आती है। योग अभ्यास सत्र में, एडवोकेट श्रीलक्ष्मी अय्यर ने योग



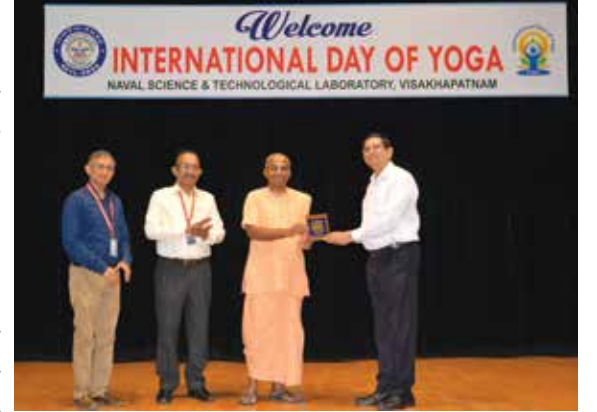
आसन और प्राणायाम का प्रदर्शन किया। श्री रमेश के नेतृत्व में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस सत्र में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को अंग्रेजी, मलयालम, और हिंदी में श्री श्री रविशंकर द्वारा लिखित 'नो योर माइंड' नामक पुस्तक प्रदान की गई। एनपीओएल कार्य समिति द्वारा कार्यक्रम का समन्वय किया गया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, ने 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। एनएसटीएल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। कार्यक्रम के

दो सत्र आयोजित किए गए। एनएसटीएल के अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने सुबह के सत्र में भाग लिया। डॉ वाई श्रीनिवास राव, महानिदेशक (एनएसएंडएम) और डॉ अब्राहम वर्गीस, निदेशक, एनएसटीएल, ने 120 अन्य सदस्यों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया और योग किया। वरिष्ठ सुरक्षा सहायक (योग्य योग शिक्षक)

श्री ए विश्वेश्वर राव ने अनुभवी और नौसिखिए योगाभ्यासियों, दोनों को मार्गदर्शन प्रदान किया। अक्षय पात्र से डॉ निष्किंचन भक्त दास ने 'आधुनिक युग के लिए योग' विषय पर व्याख्यान



डॉ वाई श्रीनिवास राव, महानिदेशक (एनएसएंडएम), डॉ निष्किंचन भक्त दास को सम्मानित करते हुए

दिया, प्रतिभागियों से बातचीत की और जीवन की दैनिक गतिविधियों में योग और पंचकोशों के विभिन्न शारीरिक, मानसिक, और आध्यात्मिक पहलुओं के बारे में चर्चा की।

डीआरडीएल में स्थापना दिवस समारोह

रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद, का 63वां वार्षिक दिवस 5 जुलाई 2024 को बहुत उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ तथा विशिष्ट अतिथि श्री यू राजा बाबू, महानिदेशक (एमएसएस) थे। श्री जी ए श्रीनिवास मूर्ति, निदेशक, डीआरडीएल, ने वार्षिक दिवस संबोधन दिया, जिसमें डीआरडीएल की पूर्व वर्ष की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने AAKASH के मल्टीपल टारगेट मल्टीपल मिशन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की, जिसने भारत को एक ही फायरिंग यूनिट का उपयोग करके एक साथ चार लक्ष्यों को निशाना बनाने वाला पहला देश बना दिया है। उन्होंने कुछ अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियां भी बताईं, जैसे कि SMART, QRSAM, NGARM, और AAKASH-NG के सफल



उड़ान परीक्षण, साथ ही अस्त्र मार्क-1 का तेजस विमान से पहला प्रक्षेपण।

श्री राजा बाबू ने विभिन्न प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन में प्रयोगशाला की उल्लेखनीय प्रगति पर गहरा संतोष व्यक्त किया, जिसने पिछले वर्ष में इसकी उल्लेखनीय सफलताओं में योगदान दिया। डॉ कामत ने डीआरडीएल के 63 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह का हिस्सा बनने पर अपार प्रसन्नता व्यक्त की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा श्री एसके रॉय, वैज्ञानिक 'जी' एवं उनकी

टीम द्वारा विकसित PLM सॉफ्टवेयर का विमोचन किया। डॉ कामत ने सॉफ्टवेयर के डिजाइन की सराहना की और कहा कि वे डीआरडीओ की सभी प्रयोगशालाओं में इस सॉफ्टवेयर को लागू कराने का प्रयास करेंगे।

गणमान्य व्यक्तियों ने हिंदी पत्रिका 'अस्त्र' के 24वें संस्करण और डीआरडीओ न्यूजलेटर (जुलाई 2024) के नवीनतम अंक का भी विमोचन किया। श्री एम वरदानम, वैज्ञानिक 'जी' और आयोजन समिति के अध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस समारोह

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में, 05 जून 2024 को एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर, में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री के सुचेंद्र, निदेशक, आईटीआर, ने फलदार पौधे लगाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। 50 से अधिक पौधे रोपे गए। आईटीआर की टीम हमेशा पर्यावरण की रक्षा और आसपास के वातावरण को साफ रखने में सक्रिय रही है। आईटीआर ने स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए पहल की है। कार्यक्रम का संचालन डॉ एस के साहू, वैज्ञानिक 'एफ', समूह निदेशक (एफआई एंड ईएस) और उनकी टीम ने किया।



डीआरडीएल में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस समारोह

रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद, के समूह 'परीक्षण एवं सुरक्षा' जीडी-टी एंड एस के अंतर्गत सुरक्षा, अग्नि एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग प्रभाग (एसएफईईडी) ने 31 मई 2024 को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस समारोह का आयोजन किया। एसएफईईडी ने डीआरडीएल कर्मचारियों के बीच अग्निशमन तकनीकों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए डीआरडीएल में विभिन्न प्रदर्शन किए। समारोह और जागरूकता कार्यक्रम में तीन सौ बारह कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दिवस का नारा था 'राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करें'। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अरविंद कुमार, निदेशक, अग्नि, विस्फोटक तथा पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सीफीस), दिल्ली, थे। डॉ सीवीएस मूर्ति, सह-निदेशक, डीआरडीएल; श्री जीवी शिव राव, समूह



निदेशक, टीएंडएस, डीआरडीएल; और श्री एन विजय, प्रमुख, एसएफईईडी/जीडी-टीएंडएस, डीआरडीएल ने जागरूकता वार्ता दी और प्रतिभागियों को सुरक्षा के महत्व, सुरक्षित कार्य संस्कृति और अन्य संबंधित विषयों पर

संबोधित किया।

श्री अरविंद कुमार ने 'रोल ऑफ सीफीस ऑन फायर प्रोटेक्शन एंड प्रिवेंशन मीजर्स एट डीआरडीओ' विषय पर एक व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में "प्राथमिक चिकित्सा अग्निशामक

आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं" और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। सभी

प्रतिभागियों ने अग्नि सुरक्षा प्रतिज्ञा ली। डीआरडीएल नेटवर्क और बैनर ने "अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन

प्रतिक्रिया" के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रयोगशाला में व्यापक प्रचार अभियान चलाया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भागीदारी

वायुवाहित प्रणाली केन्द्र (कैब्स), बेंगलुरु, से श्री एम रंगनायकुलु, वैज्ञानिक 'एफ' ने भारत पैवेलियन के भाग के रूप में रक्षा और सुरक्षा के लिए वैश्विक कार्यक्रम यूरोसैटरी 2024 में उन्नत रक्षा प्रणालियों के प्रदर्शन में भाग लिया। उन्हें पांच डीआरडीओ वैज्ञानिकों के दल का नेता नियुक्त किया गया और उन्होंने कार्यक्रम में एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (AEW&C) प्रणाली की प्रमुख तकनीकों का प्रदर्शन किया। फ्रांस गणराज्य में भारत के राजदूत श्री जावेद अशरफ ने भारत पैवेलियन का उद्घाटन किया।



‘सैन्य संचार के लिए टेराहर्ट्ज की खोज’ पर कार्यशाला

05 जून 2024 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून, में 'सैन्य संचार के लिए टेराहर्ट्ज की खोज' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री एमएच रहमान, निदेशक, डीआईए-सीओई-आईआईटी, दिल्ली, उपस्थित थे।

श्री एलसी मंगल, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डील, ने अपने स्वागत संबोधन में रक्षा अनुप्रयोगों के लिए टेराहर्ट्ज संचार प्रौद्योगिकियों की खोज के लिए पारिस्थितिकी तंत्र के साथ-साथ एक रोडमैप तैयार करने के लिए कार्यशाला एजेंडे को सबके सामने रखा।

डील, आईआरडीई, एमटीआरडीसी, एसएसपीएल, डीआरडीओ मुख्यालय,



डीआईए-सीओई-आईआईटी दिल्ली, गैटेक, समीर, आईआईटीएम, आईआईटीडी, आईआईटीआर, और उद्योग भागीदारों के विशेषज्ञों सहित 70 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। डीआरडीओ, उद्योग एवं शिक्षा जगत के प्रख्यात वक्ताओं ने संबंधित प्रौद्योगिकियों पर कुल सात व्याख्यान दिए, जिनमें एक मुख्य संबोधन भी शामिल था।

विचार-विमर्श के दौरान, विशेषज्ञों ने कई महत्वपूर्ण तकनीकी चुनौतियों पर चर्चा की और संभावित समाधानों की खोज करते हुए उन पर वाद-विवाद किया।

पैनल चर्चा के दौरान, विशेषज्ञों ने टेराहर्ट्ज संचार प्रौद्योगिकी विकास की शुरुआत के लिए मूल्यवान इनपुट दिए, आगे के मार्ग पर चर्चा की और दोनों को समेकित किया।

फोटोनिक इंटीग्रेटेड सर्किट पर पाठ्यक्रम

ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली, ने 3-5 जुलाई 2024 के दौरान 'फोटोनिक इंटीग्रेटेड सर्किट (पीआईसी) टेक्नोलॉजी एंड फ्यूचर एप्लीकेशन इन डिफेन्स' पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम का उद्घाटन डॉ मीना मिश्रा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एसएसपीएल द्वारा किया गया। आईआईएससी बंगलुरु से प्रो० शंकर कुमार सेल्वाराजा ने मुख्य संबोधन दिया, जिसके बाद आईआईटी चेन्नई से प्रो० बीके दास, प्रो० सुदर्शन, और प्रो० अनिल प्रभाकर, तथा बिट्स पिलानी से प्रो० राहुल ने व्याख्यान दिए।

इसके अलावा, मापन, डिजाइन,



और सिमुलेशन के लिए उद्योग से भागीदारी की भी सराहना की गई। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों ने पीआईसी के डिजाइन का लाइव प्रदर्शन देखा। एसएजी, डीवाईएसएल

क्यूवाई, स्टार-सी और एसएसपीएल के प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

डॉ सुनील शर्मा वैज्ञानिक 'एफ' तथा श्री आशीष जिंदल वैज्ञानिक 'डी' ने पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

विकिरण आपदा के चिकित्सीय प्रबंधन के लिए जैवमात्रामिति पर पाठ्यक्रम

3-7 जून 2024 के दौरान, परमाणु नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली, में 'विकिरण संबंधी आपात स्थितियों के चिकित्सा प्रबंधन के लिए जैवमात्रामिति' पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य किसी भी परमाणु आपात स्थिति को नियंत्रित करने के लिए डीआरडीओ के भीतर प्रशिक्षित जनशक्ति का एक समूह तैयार करना है।

दिहार, लेह; एमटीआरडीसी, बंगलुरु; एसएफसी, जगदलपुर; वीआरडीई, अहमदनगर; और इनमास, दिल्ली से तीस प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

डॉ सुधीर चांदना, निदेशक, इनमास, ने चल रहे यूक्रेन-रूस संघर्ष के संदर्भ में जैवमात्रामिति तैयारियों की आवश्यकता पर जोर दिया। पाठ्यक्रम को व्याख्यान और प्रदर्शन पर समान रूप से बल देते हुए डिजाइन किया गया।

इनमास और एम्स, दिल्ली से



संकायों को आमंत्रित किया गया।

चर्चा के विषयों में आधारभूत विकिरण जीव विज्ञान, विकिरण भौतिकी, मल्टी-पैरामीट्रिक जैवमात्रामिति, जिसमें डाइसेंट्रिक अस्सेस करने में व्यावहारिक प्रशिक्षण और जैवमात्रामिति प्रयोगशाला नेटवर्किंग की वैश्विक स्थिति शामिल थी।

पाठ्यक्रम का समापन वस्तुनिष्ठ प्रकार के, प्रश्न-आधारित परीक्षा के साथ हुआ। निदेशक, इनमास, ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। डॉ अमित आलोक, वैज्ञानिक 'ई', पाठ्यक्रम निदेशक थे, और डॉ शुचि भागी, वैज्ञानिक 'डी', पाठ्यक्रम समन्वयक थीं।

ज्ञान प्रबंधन पर संगोष्ठी विशेष फोकस: मौन ज्ञान प्रबंधन

भारतीय वायुसेना को वैज्ञानिक सलाह प्रदान करने के छह दशक पूरे होने पर, कार्यालय, वायुसेना प्रमुख के वैज्ञानिक सलाहकार (SA to CAS) ने 07 जून 2024 को वायुसेना स्टेशन, नई दिल्ली, में ज्ञान प्रबंधन (विशेष फोकस: मौन ज्ञान प्रबंधन) पर आधे दिन की संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, वायुसेना उप प्रमुख (डीसीएएस), एवं वायुसेना प्रमुख के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर संगोष्ठी की शोभा बढ़ाई। श्रीमती आशा त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'जी' एवं सीएएस की वैज्ञानिक सलाहकार ने अतिथियों का स्वागत किया। पूरे भारत से बड़ी संख्या में वायुसेना अधिकारियों ने AFNET पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लिया।



डॉ एस करुणानिधि, उत्कृष्ट वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), डीआरडीओ, ने वायुसेना स्टेशन हकीमपेट, हैदराबाद, से AFNET के माध्यम से 'भारत के विज्ञान के द्वारा ज्ञान प्रबंधन' विषय

पर मुख्य व्याख्यान दिया। सेमिनार के दौरान डीसीएएस ने सभी चर्चाओं में भाग लिया। सेमिनार का समापन श्रीमती आशा त्रिपाठी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एएसएल में सतर्कता एवं सुरक्षा संवेदनशीलता पर कार्यक्रम

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद, ने 24-25 जून 2024 के दौरान सतर्कता एवं सुरक्षा संवेदनशीलता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में श्री यू राजा बाबू, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एमएसएस), मुख्य अतिथि, तथा श्री बीवी पापाराव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एएसएल, विशिष्ट अतिथि थे। श्री राजा बाबू ने हाल ही में घटित साइबर सुरक्षा मुद्दों पर प्रकाश डाला तथा इस संबंध में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी। श्री बीवी पापाराव ने सभी प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा के संबंध में किसी भी चूक के प्रति आगाह किया। डॉ डब्ल्यू गौरी शंकर, DOMS, एएसएल, ने स्वागत संबोधन



दिया, तथा श्री अजय कुमार सिंह, अध्यक्ष, आयोजन समिति ने अपने उद्घाटन संबोधन में कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। एमएसएस क्लस्टर

की सभी प्रयोगशालाओं से कुल 187 कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए। सीएसईजी, एएसएल, ने सभी एएसएल कर्मचारियों के लिए उनसे

संबंधित प्रौद्योगिकी निदेशालयों में लाइव प्रसारण की व्यवस्था की। एमएसएस क्लस्टर की हैदराबाद स्थित सभी प्रयोगशालाओं में भी इसका सीधा

प्रसारण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सूचना सुरक्षा एवं सोशल मीडिया पहलुओं, साइबर सुरक्षा और साइबर जासूसी, स्मार्ट फोन सुरक्षा और

स्थिति अध्ययन, फिशिंग और जासूसी के खिलाफ निवारक उपाय, नवीनतम साइबर थ्रेट परिदृश्य और रुझान आदि पर चर्चा की गई।

एसीईएम की कॉर्पोरेट समीक्षा

06 जुलाई 2024 को ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम), नासिक, की कॉर्पोरेट समीक्षा आयोजित की गई। श्री पुरुषोत्तम बेज, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (आरएंडएम) ने सह-अध्यक्ष श्रीमती यू जया संधी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर), के साथ प्रोफेसर प्रतीक किशोर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) की उपस्थिति में कॉर्पोरेट समीक्षा समिति की अध्यक्षता की। श्री टीवी जगदीश्वर राव, वैज्ञानिक 'जी' एवं महाप्रबंधक एसीईएम ने समिति

को एसीईएम की यात्रा, समग्र प्रणोदक प्रसंस्करण के लिए विकसित प्रौद्योगिकियों और भविष्य की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। श्री राव ने एजेंडा के विषयों पर एक प्रस्तुति भी दी। वाइस एडमिरल रंजीत सिंह, निदेशक, डीवीएस; डॉ मनु कोरुल्ला, निदेशक, डीसीडब्ल्यूएंडई; डॉ रवींद्र सिंह, निदेशक, डीएमएस; डॉ मैया दीन, निदेशक, डीएफएमएम; डॉ एसके द्विवेदी, निदेशक, डीओपी; सीसीई (आरएंडडी), महानिदेशक (एसीई) कार्यालय तथा डीआरडीओ मुख्यालय के

वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

समिति ने राष्ट्रीय महत्व की रणनीतिक परियोजनाओं में योगदान देने के लिए एसीईएम टीम की सराहना की और एसीईएम के सभी मुद्दों के समाधान के लिए निर्देश दिए। समिति ने डीआरडीएस, डीआरटीसी, और एडमिन एलाइड कैंडर के अधिकारियों के साथ बातचीत की। समिति ने एसीईएम संयंत्र सुविधाओं का भी दौरा किया और समग्र प्रणोदक प्रसंस्करण के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की।



पेटेंट

- ❖ भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा एनएसटीएल, विशाखापत्तनम, से डॉ ए श्रीनिवास कुमार तथा डॉ टीवीएसएल सत्यावनी, को 'ए मेथड ऑफ प्रीपेयरिंग एन इलेक्ट्रोड मटेरियल फॉर लिथियम-आयन बैटरीज' के लिए पेटेंट संख्या 479099 प्रदान किया गया।
- ❖ भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा एनएसटीएल, विशाखापत्तनम, से डॉ ए श्रीनिवास कुमार, डॉ टीवीएसएल सत्यावानी, डॉ कीर्तन साहू, डॉ एम श्रीनिवास, श्री एम सेंथिली कुमार, श्री के यू गोकुल, श्री एस सत्य कुमार, श्री एम वी रमन, श्री के जगदीश, और श्री पी के साहू को 'ए मेथड फॉर प्रीपेयरिंग हाई-पावर लिथियम-आयन विद लिथियम आयरन सेल विद लिथियम आयरन फॉस्फेट फॉर हाई रेट डिस्चार्ज एप्लीकेशन' के लिए पेटेंट संख्या 539620 प्रदान किया गया।

डील में उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी पर पाठ्यक्रम

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून, ने 10-14 जून 2024 के दौरान 'उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी' पर एक पांच दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया। डील के सह-निदेशक श्री पिनाकी सेन ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया।

यह पाठ्यक्रम रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में विभिन्न उन्नत तकनीकी विकासों को उजागर करने और उन पर चर्चा करने के लिए डिजाइन किया गया।

इस पाठ्यक्रम में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और ब्रह्मोस एयरोस्पेस सहित अन्य रक्षा संगठनों से कुल 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम में व्याख्यान, प्रयोगशाला और औद्योगिक दौरे, प्रदर्शन और विभिन्न वक्ताओं से इंटरैक्टिव सत्र शामिल थे।

यह पाठ्यक्रम 28 सत्रों में आयोजित किया गया और इसमें कंपोजिट विनिर्माण, मैकेनिकल माइक्रोमशीनिंग, एडिटिव मैनुफैक्चरिंग, माइक्रो EDM एवं माइक्रो टर्निंग, पर्यावरण परीक्षण एवं सटीकता, प्रयोगों का डिजाइन एवं



केस अध्ययन, X, CAD/CAM/CAE अनुप्रयोग के लिए डिजाइन, IoT, तथा ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे उन्नत मॉड्यूल शामिल थे।

संकाय में आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रुड़की, इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड, आरसीआई, डीआरडीएल, एमटीआरडीसी, एनपीओएल, आईआरडीई, और डील के प्रख्यात वक्ता शामिल थे। उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों में नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए उद्योग विशेषज्ञों को भी आमंत्रित

किया गया। श्री एलसी मंगल, निदेशक, डील मुख्य अतिथि के रूप में समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने रक्षा में उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी कर्मचारियों को उन्नत कल्पनाओं में अपने कौशल को बढ़ाने का सुझाव दिया।

डॉ आरके भारद्वाज, वैज्ञानिक 'एफ' पाठ्यक्रम निदेशक थे, तथा श्री वेद प्रकाश, वैज्ञानिक 'ई', उप पाठ्यक्रम निदेशक थे।

डॉ डी एस कोठारी की जयंती का समारोह

6 जुलाई 2024 को प्रो0 (डॉ) डी एस कोठारी की जयंती के उपलक्ष्य में रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर, में पुष्पांजलि अर्पित की गई। प्रो0 कोठारी रक्षा मंत्री के पहले वैज्ञानिक सलाहकार और एक महान दूरदर्शी थे।

डीएलजे उनकी स्थापित प्रयोगशालाओं में से एक है।



आईआरडीई में हिंदी कार्यशाला

यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून, ने 25 जून 2024 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला का विषय था 'राजभाषा नीति का क्रियान्वयन तथा प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में जानकारी'। श्री पुनीत वशिष्ठ, वैज्ञानिक 'जी' एवं अपर निदेशक, आईआरडीई, ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

अपने उद्घाटन संबोधन के दौरान, श्री वशिष्ठ ने राजभाषा के महत्व और इसकी नीतियों के कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को इस कार्यशाला का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रो0 दिनेश चंद्र चमोला, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी और भाषा विज्ञान विभाग, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार, को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।



उन्होंने 'राजभाषा नियमों और विनियमों का ज्ञान' तथा 'आधिकारिक संप्रेषण में हिंदी का प्रयोग' विषयों पर दो व्याख्यान दिए।

श्री एलएम पंत, वैज्ञानिक 'एफ' एवं उपाध्यक्ष, राजभाषा, ने प्रतिभागियों और

कार्यशाला का परिचय दिया। कार्यशाला में आईआरडीई के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित 47 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। तकनीकी अधिकारी 'सी' और राजभाषा अधिकारी श्री कृष्ण मुरारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पीएक्सई में हिंदी कार्यशाला

12-14 जून 2024 के दौरान प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), चांदीपुर, द्वारा एसटीए 'बी' और टीए 'बी' के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री सुबोध कुमार नायक, निदेशक, पीएक्सई, द्वारा कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला हिंदी में सरकारी काम करने के लिए प्रभावशाली और उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला में बीस तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान संकायों ने प्रतिभागियों को अंतर-कार्यालय नोट्स, आवेदन, तथा नोटिंग और ड्राफ्टिंग के बारे में हिंदी में प्रशिक्षित किया और



कार्यालय में काम करते समय उपयोगी हिंदी शब्दावली से परिचित कराया। संकायों ने छुट्टियों, एलटीसी, टीए-डीए और अन्य से संबंधित नियमों पर हिंदी में विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा तकनीकी सत्रों में साइबर इनफार्मेशन,

सुरक्षा, प्रूफ एवं ट्रायल में रडार और संवेदकों का उपयोग आदि के बारे में हिंदी में जानकारी दी गई। समापन समारोह में पीएक्सई निदेशक ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और प्रमाण पत्र वितरित किए।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के आगंतुक

डीएल, जोधपुर

श्री सीएच दुर्गाप्रसाद उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, युद्धक विमान प्रणालियाँ एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलुरु, ने 12 जुलाई 2024 को रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर का दौरा किया। उन्होंने 'एयरबोर्न इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर में प्रगति-भारतीय परिदृश्य' पर एक बहुप्रतीक्षित व्याख्यान दिया और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में आगे रहने के लिए निरंतर नवाचार, सहयोग, और ज्ञान साझा करने के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने दौरे के दौरान, श्री दुर्गाप्रसाद को प्रयोगशाला में उपलब्ध सुविधाओं का व्यापक दौरा कराया गया।

इनमास, दिल्ली

डीजीएमएस (नौसेना) सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरिन, एवीएसएम, वीएसएम, ने 13 जून 2024 को नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली, का दौरा किया और परमाणु आपात स्थितियों के लिए तैयारियों के क्षेत्र में किए गए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को देखा। डीजीएमएस (नौसेना) को प्रयोगशाला में किए गए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में डॉ सुधीर चांदना, निदेशक, इनमास, द्वारा विस्तृत जानकारी दी गयी। डॉ चांदना ने उन्हें 'बायोडोसिमेट्री लैब', 'ड्रग डेवलपमेंट लैब', 'एनएमआर सुविधा', 'साइक्लोट्रॉन और क्यूसी लैब' तथा 'न्यूक्लियर मेडिसिन डिपार्टमेंट' के बारे में बताया और उन्हें रेडिएशन एक्सपोजर डिटेक्शन टेस्ट, रेडियोप्रोटेक्टर एवं डेकोरेटिंग एजेंट के विकास, रेडिएशन इमेजिंग सुविधा एवं न्यूक्लियर आइसोटोप के उत्पादन के बारे में जानकारी दी।

निदेशक, इनमास, ने उन्हें रेडियोधर्मिता संरक्षण और परिशोधन के लिए विकसित विभिन्न उत्पादों के



श्री सीएच दुर्गाप्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, कैसडिक, के साथ निदेशक, डीएल, जोधपुर, और डीएल, जोधपुर, के वरिष्ठ वैज्ञानिक



डीजीएमएस (नौसेना) सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरिन, एवीएसएम, वीएसएम, अपनी इनमास यात्रा के दौरान

बारे में जानकारी दी, जिसमें मेडिकल रिस्पॉन्डर प्रोटेक्शन सूट, सुपर एब्जॉर्बेंट जेल, परिशोधन वाइप्स, सीबीआरएन स्ट्रेचर और बडी केयर आर एंड एन परिशोधन किट शामिल हैं।

आईआरडीई, देहरादून

मेजर जनरल पुनीत आहूजा, एसएम, वीएसएम, और 1 आर्मर्ड डिवीजन में जनरल कमांडिंग ऑफिसर (जीओसी) ने अपनी टीम के साथ 31 मई 2024 को यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून, का दौरा

किया। उनका स्वागत श्रीमती रुमा ढाका, वैज्ञानिक 'जी' एवं सह-निदेशक आईआरडीई ने किया। श्रीमती ढाका ने मेजर जनरल आहूजा को आईआरडीई के उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया। डॉ सुधीर खरे, वैज्ञानिक 'जी', आईआरडीई, ने मेजर जनरल आहूजा को गैलरी की विशेषताओं के बारे में बताया और तकनीकी क्षेत्र, प्रणाली क्षेत्र, डाउन-द-मेमोरी लेन, और लैब 'वॉव' मोमेंट दिखाए। गैलरी को देखकर मेजर जनरल आहूजा बेहद खुश हुए। उन्होंने भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

हासिल करने में आईआरडीई के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रयोगशाला को उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दीं।

✽ 12 जून 2024 को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), देहरादून, के विभागीय रूप से सूचीबद्ध राजपत्रित अधिकारियों (DEGO) के पंद्रह प्रशिक्षु अधिकारियों ने आईआरडीई, देहरादून, का दौरा किया। DEGO के संकाय अधिकारी श्री कृष्ण कुमार देबे ने अपने दौरे के दौरान DEGO अधिकारियों का नेतृत्व किया। श्रीमती रुमा ढाका, वैज्ञानिक 'जी' एवं सह-निदेशक ने अधिकारियों का स्वागत किया और उन्हें आईआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी। DEGO अधिकारियों ने डॉ अजय कुमार साहनी, वैज्ञानिक 'एफ', आईआरडीई, के मार्गदर्शन में आईआरडीई डायमंड जुबली गैलरी का दौरा किया।

✽ मेजर जनरल आर प्रेम राज, एसएम, वीएसएम, एवं जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), उत्तराखंड सब एरिया, ने 28 जून 2024 को आईआरडीई, देहरादून, का दौरा किया। डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई, ने आईआरडीई द्वारा किये गए प्रमुख अनुसंधान एवं विकास पहलों और आईआरडीई द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को प्रस्तुत किया। मेजर जनरल राज ने अत्याधुनिक प्रणालियों को विकसित करने में आईआरडीई के प्रयासों की सराहना की। डॉ सुधीर खरे, वैज्ञानिक 'जी', आईआरडीई, के मार्गदर्शन में आईआरडीई डायमंड जुबली गैलरी में एक निर्देशित दौरे का आयोजन किया गया। मेजर जनरल राज ने प्रणाली क्षेत्र का भी दौरा किया, जहां अतीत के सभी उत्पाद प्रदर्शित थे। मेजर जनरल राज ने भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में आईआरडीई के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रयोगशाला को उत्कृष्टता की अपनी खोज में शुभकामनाएं दीं।



श्रीमती रुमा ढाका, वैज्ञानिक 'जी' मेजर जनरल पुनीत आहूजा, एसएम, वीएसएम को सम्मानित करते हुए



आईआरडीई, देहरादून, में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के DEGO के प्रशिक्षु अधिकारी



आईआरडीई, देहरादून, के दौरे के दौरान मेजर जनरल आर प्रेम राज, एसएम, वीएसएम, और जीओसी